Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

(Established by the State Legislature Act 9 of 2003)

NATIONAL SERVICE SCHEME

ORGANIZATION

OF

"पुलिस की पाठशाला"

IN COLLABORATION WITH

AMAR UJALA FOUNDATION

ON

DECEMBER 15TH, 2021

(11:00 A.M)

AT

SEMINAR HALL, C.V. RAMAN BHAWAN, CDLU, SIRSA

CHIEF GUEST: - PROF. AJMER SINGH MALIK, VICE-CHANCELLOR, CDLU, SIRSA

ORGANIZED BY: PROGRAMME COORDINATOR, N.S.S., CDLU, SIRSA

नशे की खरीद-फरोख्त करने वालों पर प्रहार करने के लिए विद्यार्थी आगे आएं

- साइबर क्राइम से बचने के बताए टिप्स
- ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए भी किया गया जागरूक

सीडीएलयू में डीएसपी व ट्रैफिक एसएचओ ने विद्यार्थियों को पढ़ाया सुरक्षा का पाठ, जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

पुलिस की पाठशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

सिरसा। अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी में पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीडीएलयू के एनएसएस और यूथ रेडक्रॉस की सहायता से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएसपी धर्मवीर सिंह शामिल हुए। डीएसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि नशे की खरीद-फरोख्त करने वालों पर प्रहार करने के लिए विद्यार्थियों को आगे आना होगा।

बुधवार को सीडीएलयू के सीवी रमन भवन स्थित सेमिनार हॉल में वीसी प्रो. अजमेर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। मुख्य अतिथि डीएसपी धर्मवीर सिंह और ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को नशा से दूर रहने, यातायात नियमों का पालन करने और साइबर क्राइम से बचने के लिए पाठ पढ़ाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं को भी शांत किया। साथ ही एनएसएस कॉर्डिनेटर व प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा आरती गौड़ की देखरेख कार्यक्रम का संचालन किया। मंच संचालन करते हुए जनसंपर्क निदेशक डॉ. अमित सांगवान ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी नशे की लत में लग आपराधिक गतिविधियों में शामिल होते हैं।

डीएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि चालान काटना सरकार के खजाने भरना नहीं है बल्कि नियमों का पालन करवाना है। आज चोर डिजिटल तरीके से चोरी करते हैं। किसी भी अज्ञात को अपनी गुप्त जानकारी साझा न करें। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है। अगर आपके आस-पड़ोस कोई नशा बेचता है या कोई खरीदता है तो पुलिस को सूचित करें। पुलिस सूचना देने वालों के नाम गुप्त रखेगी और कार्रवाई करेगी। ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को यातायात नियमों का तो पता है। लेकिन इसके बावजूद कई बार नियमों की अनदेखी करते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि विद्यार्थी स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके।

अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से आयोजित पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी और प्राध्यापक। संवाद

नशा बचने वालों के बारे में करें सूचित : डीएसपी

डीएसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि नशे की खरीद-फरोख्त करने वालों पर प्रहार करने के लिए विद्यार्थियों को आगे आना होगा। पुलिस गांव व शहर के प्रत्येक घर की जानकारी नहीं रख सकती। इसलिए विद्यार्थी पुलिस की आंख, कान और नाक बनें। आपके घर के पास अगर कोई नशा तस्कर किसी भी प्रकार नशा बेचता है तो पुलिस को सूचित करें पुलिस बिना नाम बताए नशा तस्करों पर कारवाई करेगी।

नियमों का पालन डर से

रेड लाइट पर अगर पुलिसकर्मी खड़ा हो तो वाहन चालक लाइट जंप नहीं करते, नहीं तो साइड से निकालकर ले जाते हैं। कानून सब जगह एक है लेकिन पालना केवल डर से होती है। चंडीगढ़ में प्रवेश करने से पहले जीरकपुर के पास बेल्ट पहनकर गाड़ी चलाते हैं क्योंकि पता है चंडीगढ़ में प्रवेश करते ही चालान कट जाएगा और गाड़ी को कोई रोकेगा भी नहीं।

साइबर ठगी से बचने के लिए बनें समझदार: एसएचओ

यातायात एसएचओ इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने कहा कि समझदारी से साइबर क्राइम होने से बचा जा सकता है। कभी भी किसी भी सार्वजनिक स्थानों पर अपने बैंक खाते, ओटीपी,आधार कार्ड नंबर जैसी गुप्त जानकारी किसी भी अज्ञात व्यक्ति या सार्वजनिक स्थलों पर साझा ना करें। अगर मोबाइल पर पैसे संबंधित कोई लिंक आता है तो उसे बिना जानकारी के ना खोलें। ऐसी छोटी-छोटी समझदारियों से साइबर क्राइम का शिकार होने से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते डीएसपी धर्मवीर सिंह। संवाद

ये दिए टिप्स

- हाईवे पर वाहन को निर्धारित स्पीड पर ही चलाएं।
- दोपहिया वाहन पर ट्रिपल राइडिंग कभी ना करें।
- अभिभावक ट्रैफिक नियमों की पालना नहीं करते तो विद्यार्थी उन्हें टोक दें।
- हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन पर बैठें, इससे सिर की सुरक्षा होगी।
- वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें और न किसी को करने दें।
- बंद फाटक के नीचे से कभी भी निकलने का प्रयास ना करें।
- गाड़ी कितनी मर्जी महंगी हो सैंसर तभी काम करेंगे जब सीट बेल्ट पहनी होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते ट्रैफिक एसएचओ बहादुर सिंह।

कार्यक्रम में पुलिस से सवाल पूछकर जिज्ञासा शांत करती छात्रा।

"एनएसएस और यूथ रेडक्रॉस के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को जागरूक करने का काम किया है। आगे भी प्रयास रहेगा कि अमर उजाला फाउंडेशन के साथ मिलकर अभियान चलाएं। सीडीएलयू ने पांच गांवों को गोद ले रखा है, अब वहां जाकर कार्यक्रम करेंगे। -प्रो. आरती गौड़, कॉर्डिनेटर, एनएसएस, यूथ रेडक्रॉस, सीडीएलयू

"पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम की शुरुआत सराहनीय है। एनएसएस और यूथ रेड क्रॉस ऐसे कार्यक्रम करवाती रहती हैं। ऐसे कार्यक्रमों से ही विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा की जा सकती है। यदि विद्यार्थी जागरूक होंगे तो समाज जागरूक होगा। विद्यार्थी आने वाले समय में समाज के बुद्धिजीवी बनेंगे और सुधार आएगा। - प्रो. अजमेर सिंह मलिक, वीसी, सीडीएलयू, सिरसा।

उन्होंने कहा कि कई बार वाहन चालक बुलेट पर पटाखे छोड़ते हैं और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग नहीं करते। उन्हें कानून का कोई डर नहीं है। ट्रैफिक एसएचओ ने कहा कि हमारा मकसद चालान करना नहीं बल्कि युवा वर्ग को हादसों से सुरक्षित रखना है। यातायात नियमों के बारे में एक अनपढ़ को कैसे बताएं जब पढ़े लिखे विद्यार्थी ही उसे नहीं मानते। प्रो. आरती गौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे से बचने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी समाज में जाकर दूसरों को भी जागरूक कर सकते हैं। ट्रैफिक एसएचओ बहादुर सिंह के साथ-साथ एनएसएस की कॉर्डिनेटर प्रो. आरती गौड़ प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. गीता राठी, डॉ. रोहतास, डॉ. कमलेश, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रविंद्र मौजूद रहे। मंच संचालन जनसंपर्क निदेशक डॉ. अमित सांगवान ने किया।

विद्यार्थियों ने सवाल पूछ जिज्ञासाएं की शांत

छात्र- भूगोल संकाय की मोनिका ने पूछा कि ड्रग्स का नशा तेजी से समाज में फैल रहा है, अब हर घर में बिक रही है।

उत्तर- अगर कोई व्यक्ति नशा बेचता है तो तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर सूचना दें। पुलिस कार्रवाई करेगी।

छात्र- शालिनी ने पूछा कि जब हम रोड टैक्स देते हैं तो सड़क पर आवारा पशु क्यों घूम रहे हैं।

उत्तर- नप द्वारा आवारा पशुओं को पकड़कर बेलनिया गोशाला में भेजा जा रहा है।

छात्र- कॉमर्स विभाग के हरविंद्र ने पूछा कि साइबर क्राइम को कैसे रोकें।

उत्तर- किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ बैंक खातों व ओटीपी की जानकारी साझा करने से बचें।

गांवों में जिन जिन जगहों पर नशा बिकता है उनकी सूचना कार्यक्रम के दौरान दिए गए हेल्पलाइन नंबरों करूंगा। ताकि पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर सके। हरविंद्र

कार्यक्रम के दौरान जैसा बताया गया कि साइबर क्राइम से बचने के लिए गुप्त जानकारी साझा ना करें। इसे अब अभिभावकों के साथ अपने दोस्तों के साथ भी साझा करूंगी। - एकता

पुलिस की पाठशाला में सीखा की जिंदगी कितनी कीमती है। कुछ क्षण की जल्दबाजी जान ले लेती है और उस दुर्घटना का शिकार होने वाले कभी भी वापिस नहीं आते। परिवार के सदस्यों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करूंगी। -मनप्रीत

कार्यक्रम में साइबर क्राइम से बचने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई है। भविष्य में इसे याद रखूंगी और दूसरों को भी जागरूक करूंगी। -पूजा।

कार्यक्रम में सीखा कि नशा लेने वाले किसी तरह से आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। दोस्तों व परिजनों को नशा करने से रोकूंगी। -पूनम

परिजनों को कभी भी शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने दूंगी। वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन व सीट बेल्ट का प्रयोग करूंगी। अन्य लोगों को भी जागरूक करूंगी। -शालिनी

UP Police Constable: आकर्षक वेतन व सुविधाएं, अभी शुरू करें तैयारी

उत्तर प्रदेश में 25 हजार कांस्टेबल पदों पर भर्ती का एग्जाम जल्द

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में पुलिस कांस्टेबल के करीब 25,000 पदों पर भर्ती निकाले जाने की तैयारी चल रही है। इन दिनों भर्ती प्रक्रिया में काफी बदलाव भी देखे जा रहे हैं। किसी भी भर्ती का प्रस्ताव पारित होते ही उसकी आवेदन प्रक्रिया पूरी कराकर तुरंत लिखित परीक्षा करा ली जाती है।

अनुमान है कि दिसंबर अंत तक कांस्टेबल भर्ती की अधिसूचना जारी हो सकती है। उम्मीदवारों को आज से ही लिखित परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, ताकि एग्जाम में शानदार प्रदर्शन कर पुलिस कांस्टेबल बन एक अच्छी सरकारी नौकरी का सपना पूरा कर सकें।

इसके लिए अभ्यर्थी Safalta.com द्वारा शुरू किये जा रहे खास यूपी पुलिस कांस्टेबल बैच को ज्वाइन कर अपनी तैयारी को मजबूत बना सकते हैं। कांस्टेबल पदों पर चयनित उम्मीदवार, कार्यशैली व क्षमता के आधार पर पदोन्नत भी होते हैं। पदोन्नति के आधार पर कैंडिडेट सब-इंस्पेक्टर के पद पर पहुंच सकते हैं, जिसमें आकर्षक वेतन के साथ अन्य भत्ते व सुविधाओं का लाभ मिलता है।

मासिक वेतन व अन्य भत्ते

कांस्टेबल पद पर चयनित अभ्यर्थी को लगभग 30,000 से 40,000 रुपये प्रतिमाह का वेतन प्राप्त होता है। जिसमें 7वें पे-कमीशन के अनुसार अन्य भत्ते जैसे यात्रा किराया-भत्ता, मकान किराया भत्ता, मेडिकल सुविधा आदि जैसी सुविधाएं शामिल हैं। जो इसे एक बेहद आकर्षक सरकारी नौकरी बनाते हैं।

योग्यता

- आयु: पुरुष- 18 वर्ष से 23 वर्ष, महिला- 18 वर्ष से 26 वर्ष।
- मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा पास।
- नियमानुसार छूट का भी प्रावधान है।

कैसे करें तैयारी

परीक्षा में लाखों परीक्षार्थी हिस्सा लेते हैं, इसलिए कम्पटीशन भी हाई है। ऐसे में एक्सपर्ट्स के मार्गदर्शन में की गई पढ़ाई अच्छे परिणाम दिलाती है। इसी बात का ध्यान रखते हुए Safalta.com ने 60 दिनों का खास "UP Police Constable Foundation" लाइव कोर्स लॉन्च किया है, जो 16 दिसंबर से शुरू होगा।

पदोन्नति से बन सकते हैं एसआई

चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित समयसीमा के बाद हेड-कांस्टेबल पद पर पदोन्नत किया जाता है। इसके लिए उम्मीदवारों की कार्यशैली, क्षमता आदि को देखा जाता है। इसमें शारीरिक दक्षता, कार्यक्षमता, अनुभव आदि अन्य अनिवार्य मानक टेस्टों को पूरा करना होता है। पदोन्नति के आधार पर उम्मीदवार दारोगा भी बन सकते हैं। जिसमें लगभग 80,000 रुपये मासिक वेतन व अन्य सुविधाएं दी जाती हैं।

कम फीस, लाइफटाइम वैलिडिटी का लाभ

आज 16 दिसंबर को आप मात्र 999 रुपये में इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। फीस में मात्र 100 सीटें ही उपलब्ध हैं। 17 दिसंबर को फीस 1399 रुपये हो जाएगी। खास बात ये है कि इसी फीस में आपको इस कोर्स की लाइफटाइम वैलिडिटी भी मिल रही है।

तो फिर देर किस बात की, आज ही लें UP Police Constable Foundation Batch लाइव कोर्स में एडमिशन और पूरा करें अपना पुलिस की नौकरी पाने का सपना। कोर्स की अधिक जानकारी व एडमिशन के लिए विजिट करें-

Safalta.com/up-police-constable अथवा क्यूआर कोड को करें स्कैन।

क्यों खास है यह कोर्स

कोर्स में आपको अनुभवी व एक्सपर्ट टीचर्स की पूरी टीम द्वारा 180 घंटे से ज्यादा की लाइव क्लासेस मिलेंगी। आप क्लास में टीचर्स से बात व अपने डाउट्स पूछ पाएंगे। इस कोर्स में मैथ्स, हिंदी, सामान्य ज्ञान व रीजनिंग विषय की क्लासेज रोज 3 से 4 घंटे चलेंगी। पीडीएफ स्टडी मैटेरियल व क्लासरूम नोट्स दिए जाएंगे। तैयारी को और भी पक्का करने के लिए रेगुलर प्रैक्टिस सेशन व डाउट सेशन होंगे। 5000 प्रश्नों का एक्सेस भी मिलेगा। स्पीड और एक्यूरेसी के लिए आपको अधिक-से-अधिक मॉक टेस्ट भी कराए जाएंगे।

परीक्षा में आने वाले विषय

परीक्षा में सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान, संख्यात्मक योग्यता, मानसिक अभिरुचि/आई-क्यू/तार्किक योग्यता से कुल 150 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाते हैं। एग्जाम 300 अंकों का होता है। प्रत्येक सवाल का सही उत्तर देने पर 2 अंक मिलते हैं, गलत जवाब देने पर एक-चौथाई अंक काटते हैं।

A Media Solutions Initiative

सीबीएसई : सामान्य रहा कक्षा 12वीं का इकनॉमिक्स का पेपर

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से बुधवार को 12वीं कक्षा का इकनॉमिक्स का पेपर सामान्य रहा। जिससे छात्रों को सवालों को हल करने में आसानी रही। केस स्टडी के कुछ सवालों को हल करने में समय अधिक लगा। अब अगला पेपर वीरवार को हिंदी विषय का होगा।

नई दिल्ली इलाके में छात्रों ने कहा कि पेपर में दिनांक व आर्थिक कार्यक्रमों को लेकर एक भी सवाल नहीं पूछा गया। हालांकि, ऐसे सवालों की तैयारी की थी। वहीं, केस स्टडी के सवालों ने समय की अधिक खपत की। छात्रों का कहना था कि पेपर को एनसीईआरटी से बनाया गया था। जिन्होंने सैंपल पेपर से अधिक अभ्यास किया था, उन्हें अधिक फायदा नहीं हुआ।

छात्र हिमांशु सिंह ने कहा कि उन्होंने पेपर के लिए एनसीईआरटी के साथ-साथ अन्य किताबों से भी प्रश्नों का अभ्यास किया था। इसलिए पेपर करने में अधिक परेशानी नहीं हुई। कुछ प्रश्नों का स्तर थोड़ा मुश्किल था, लेकिन जिन बच्चों ने ठीक से अभ्यास किया होगा, उनके लिए पेपर आसान था। दिव्यांशु गुप्ता ने कहा कि उन्होंने पेपर के लिए सैंपल पेपर व एनसीईआरटी से अभ्यास किया था, लेकिन सिर्फ एनसीईआरटी से सवाल पूछे गए थे। पेपर में सवालों का स्तर सामान्य रहा। हालांकि, कुछ सवालों को लंबा बनाया गया था। ऐसे में इस तरह के सवालों में अधिक समय लग गया। पूरी

"पुलिस की पाठशाला"
GPS Map Camera
Sirsa, Haryana, India
G2WV+JHR, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa, Haryana 125055, India
Lat 29.54678°
Long 75.044231°
15/12/21 11:36 AM
CDLU Rd
Google

GPS Map Camera
Sirsa, Haryana, India
G2WV+JHR, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa, Haryana 125055, India
Lat 29.54678°
Long 75.044231°
15/12/21 11:35 AM
CDLU Rd
Google

Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

(Established by the State Legislature Act 9 of 2003)

NATIONAL SERVICE SCHEME

ORGANIZATION

OF

“पुलिस की पाठशाला”

IN COLLABORATION WITH

AMAR UJALA FOUNDATION

ON

DECEMBER 15TH, 2021

(11:00 A.M)

AT

SEMINAR HALL, C.V. RAMAN BHAWAN, CDLU, SIRSA

CHIEF GUEST: - PROF. AJMER SINGH MALIK, VICE-CHANCELLOR, CDLU, SIRSA

ORGANIZED BY: PROGRAMME COORDINATOR, N.S.S., CDLU, SIRSA

Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

(Established by the State Legislature Act 9 of 2003)

NATIONAL SERVICE SCHEME

No.NSS/21/1271-1300
Dated: 9/12/21.

To

All the Chairpersons/Incharges
University Teaching Departments,
Chaudhary Devi Lal University, Sirsa.

Subject: Organization a Programme regarding "पुलिस की पाठशाला" by Amar Ujala Foundation.

Dear Sir/Madam,

It is submitted that a Programme regarding "पुलिस की पाठशाला" by NSS in collaboration with Amar Ujala Foundation is organize on dated 15th December, 2021 at 11:00 AM in Seminar Hall, C.V. Raman Bhawan, CDLU, Sirsa. In this Programme NSS and YRC Volunteers and other students from University Campus and University College along with staff members may participate.

All the Chairpersons of UTD, CDLU, Sirsa are requested to circulate this letter among the teachers and students and send 10-15 volunteers/students from each Department to participate this programme as per Covid protocol, please.

Yours sincerely,

Programme Coordinator, NSS

Copy of the above is forwarded to the following:

1. Regional Director, Regional Directorate of NSS, 15/11 Jamnagar House, New Delhi.
2. State NSS Officer, O/o Director Higher Education Haryana, Shiksha Sadan, Sector -05, Panchkula.
3. Principal, University College, CDLU, Sirsa.
4. PO's NSS, UTD, CDLU, Sirsa
5. PS to Vice-Chancellor for kind information of the Hon'ble Vice-Chancellor.
6. PA to Registrar for kind information of the Registrar.

नशे की खरीद-फरोख्त करने वालों पर प्रहार करने के लिए विद्यार्थी आगे आएं

- साइबर क्राइम से बचने के बताए टिप्स
- ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए भी किया गया जागरूक

सीडीएलयू में डीएसपी व ट्रैफिक एसएचओ ने विद्यार्थियों को पढ़ाया सुरक्षा का पाठ, जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

पुलिस की पाठशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

सिरसा। अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी में पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीडीएलयू के एनएसएस और यूथ रेडक्रॉस की सहायता से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएसपी धर्मवीर सिंह शामिल हुए। डीएसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि नशे की खरीद-फरोख्त करने वालों पर प्रहार करने के लिए विद्यार्थियों को आगे आना होगा।

बुधवार को सीडीएलयू के सीवी रमन भवन स्थित सेमिनार हॉल में वीसी प्रो. अजमेर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। मुख्य अतिथि डीएसपी धर्मवीर सिंह और ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को नशा से दूर रहने, यातायात नियमों का पालन करने और साइबर क्राइम से बचने के लिए पाठ पढ़ाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं को भी शांत किया। साथ ही एनएसएस कॉर्डिनेटर व प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा आरती गौड़ की देखरेख कार्यक्रम का संचालन किया। मंच संचालन करते हुए जनसंपर्क निदेशक डॉ. अमित सांगवान ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी नशे की लत में लग आपराधिक गतिविधियों में शामिल होते हैं।

डीएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि चालान काटना सरकार के खजाने भरना नहीं है बल्कि नियमों का पालन करवाना है। आज चोर डिजिटल तरीके से चोरी करते है। किसी भी अज्ञात को अपनी गुप्त जानकारी साझा न करें। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है। अगर आपके आस-पड़ोस कोई नशा बेचता है या कोई खरीदता है तो पुलिस को सूचित करें। पुलिस सूचना देने वालों के नाम गुप्त रखेगी और कार्रवाई करेगी। ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को यातायात नियमों का तो पता है। लेकिन इसके बावजूद कई बार नियमों की अनदेखी करते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि विद्यार्थी स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके।

अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से आयोजित पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी और प्राध्यापक। संवाद

कार्यक्रम को संबोधित करते डीएसपी धर्मवीर सिंह। संवाद

नशा बचने वालों के बारे में करें सूचित : डीएसपी

डीएसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि नशे की खरीद-फरोख्त करने वालों पर प्रहार करने के लिए विद्यार्थियों को आगे आना होगा। पुलिस गांव व शहर के प्रत्येक घर की जानकारी नहीं रख सकती। इसलिए विद्यार्थी पुलिस की आंख, कान और नाक बनें। आपके घर के पास अगर कोई नशा तस्कर किसी भी प्रकार नशा बेचता है तो पुलिस को सूचित करें पुलिस बिना नाम बताए नशा तस्करों पर कार्रवाई करेगी।

नियमों का पालन डर से

रेड लाइट पर अगर पुलिसकर्मी खड़ा हो तो वाहन चालक लाइट जंप नहीं करते, नहीं तो साइड से निकालकर ले जाते हैं। कानून सब जगह एक है लेकिन पालना केवल डर से होती है। चंडीगढ़ में प्रवेश करने से पहले जीरकपुर के पास बेल्ट पहनकर गाड़ी चलाते हैं क्योंकि पता है चंडीगढ़ में प्रवेश करते ही चालान कट जाएगा और गाड़ी को कोई रोकेगा भी नहीं।

साइबर ठगी से बचने के लिए बनें समझदार: एसएचओ

यातायात एसएचओ इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने कहा कि समझदारी से साइबर क्राइम होने से बचा जा सकता है। कभी भी किसी भी सार्वजनिक स्थानों पर अपने बैंक खाते, ओटीपी,आधार कार्ड नंबर जैसी गुप्त जानकारी किसी भी अज्ञात व्यक्ति या सार्वजनिक स्थलों पर साझा ना करें। अगर मोबाइल पर पैसे संबंधित कोई लिंक आता है तो उसे बिना जानकारी के ना खोलें। ऐसी छोटी-छोटी समझदारियों से साइबर क्राइम का शिकार होने से बचा जा सकता है।

ये दिए टिप्स

- हाईवे पर वाहन को निर्धारित स्पीड पर ही चलाएं।
- दोपहिया वाहन पर ट्रिपल राइडिंग कभी ना करें।
- अभिभावक ट्रैफिक नियमों की पालना नहीं करते तो विद्यार्थी उन्हें टोक दें।
- हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन पर बैठें, इससे सिर की सुरक्षा होगी।
- वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें और न किसी को करने दें।
- बंद फाटक के नीचे से कभी भी निकलने का प्रयास ना करें।
- गाड़ी कितनी मर्जी महंगी हो सेंसर तभी काम करेंगे जब सीट बेल्ट पहनी होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते ट्रैफिक एसएसओ बहादुर सिंह।

कार्यक्रम में पुलिस से सवाल पूछकर जिज्ञासा शांत करती छात्रा।

"एनएसएस और यूथ रेडक्रॉस के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को जागरूक करने का काम किया है। आगे भी प्रयास रहेगा कि अमर उजाला फाउंडेशन के साथ मिलकर अभियान चलाएं। सीडीएलयू ने पांच गांवों को गोद ले रखा है, अब वहां जाकर कार्यक्रम करेंगे। -प्रो. आरती गौड़, कॉर्डिनेटर, एनएसएस, यूथ रेडक्रॉस, सीडीएलयू

"पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम की शुरुआत सराहनीय है। एनएसएस और यूथ रेड क्रॉस ऐसे कार्यक्रम करवाती रहती है। ऐसे कार्यक्रमों से ही विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा की जा सकती है। यदि विद्यार्थी जागरूक होंगे तो समाज जागरूक होगा। विद्यार्थी आने वाले समय में समाज के बुद्धिजीवी बनेंगे और सुधार आएगा। - प्रो. अजमेर सिंह मलिक, वीसी, सीडीएलयू, सिरसा।

उन्होंने कहा कि कई बार वाहन चालक बुलेट पर पटाखे छोड़ते हैं और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग नहीं करते। उन्हें कानून का कोई डर नहीं है। ट्रैफिक एसएचओ ने कहा कि हमारा मकसद चालान करना नहीं बल्कि युवा वर्ग को हादसों से सुरक्षित रखना है। यातायात नियमों के बारे में एक अनपढ़ को कैसे बताए जब पढ़े लिखे विद्यार्थी ही उसे नहीं मानते। प्रो. आरती गौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे से बचने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी समाज में जाकर दूसरों को भी जागरूक कर सकते हैं। ट्रैफिक एसएचओ बहादुर सिंह के साथ-साथ एनएसएस की कॉर्डिनेटर प्रो. आरती गौड़ प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. गीता राठी, डॉ. रोहतास, डॉ. कमलेश, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रविंद्र मौजूद रहे। मंच संचालन जनसंपर्क निदेशक डॉ. अमित सांगवान ने किया।

विद्यार्थियों ने सवाल पूछ जिज्ञासाएं की शांत

प्रश्न- भूगोल संकाय की मोनिका ने पूछा कि ड्रग्स का नशा तेजी से समाज में फैल रहा है, अब हर घर में बिक रही है।

उत्तर- अगर कोई व्यक्ति नशा बेचता है तो तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर सूचना दें। पुलिस कार्रवाई करेगी।

प्रश्न- शालिनी ने पूछा कि जब हम रोड टैक्स देते हैं तो सड़क पर आवारा पशु क्यों घूम रहे हैं।

उत्तर- नप द्वारा आवारा पशुओं को पकड़कर किलनिया गोशाला में भेजा जा रहा है।

प्रश्न- कॉमर्स विभाग के हरविंद्र ने पूछा कि साइबर क्राइम को कैसे रोकें।

उत्तर- किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ बैंक खातों व ओटीपी की जानकारी साझा करने से बचें।

गांवों में जिन जिन जगहों पर नशा बिकता है उनकी सूचना कार्यक्रम के दौरान दिए गए हेल्पलाइन नंबरों करूंगा। ताकि पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर सके। हरविंद्र

कार्यक्रम के दौरान जैसा बताया गया कि साइबर क्राइम से बचने के लिए गुप्त जानकारी साझा ना करें। इसे अब अभिभावकों के साथ अपने दोस्तों के साथ भी साझा करूंगी। – एकता

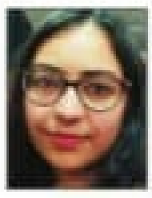

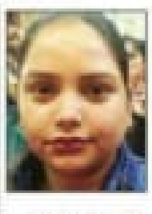

पुलिस की पाठशाला में सीखा की जिंदगी कितनी कीमती है। कुछ क्षण की जल्दबाजी जान ले लेती है और उस दुर्घटना का शिकार होने वाले कभी भी वापिस नहीं आते। परिवार के सदस्यों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करूंगी। -मनप्रीत

कार्यक्रम में साइबर क्राइम से बचने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई है। भविष्य में इसे याद रखूंगी और दूसरों को भी जागरूक करूंगी। -पूजा।

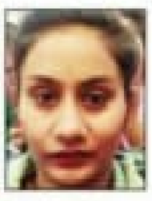

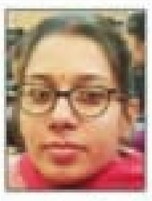

कार्यक्रम में सीखा कि नशा लेने वाले किसी तरह से आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। दोस्तों व परिजनों को नशा करने से रोकूंगी। -पूनम

परिजनों को कभी भी शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने दूंगी। वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन व सीट बेल्ट का प्रयोग करूंगी। अन्य लोगों को भी जागरूक करूंगी। -शालिनी

UP Police Constable: आकर्षक वेतन व सुविधाएं, अभी शुरू करें तैयारी

उत्तर प्रदेश में 25 हजार कांस्टेबल पदों पर भर्ती का एग्जाम जल्द

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में पुलिस कांस्टेबल के करीब 25,000 पदों पर भर्ती निकाले जाने की तैयारी चल रही है। इन दिनों भर्ती प्रक्रिया में काफी बदलाव भी देखे जा रहे हैं। किसी भी भर्ती का प्रस्ताव पारित होते ही उसकी आवेदन प्रक्रिया पूरी कराकर तुरंत लिखित परीक्षा करा ली जाती है।

अनुमान है कि दिसंबर अंत तक कांस्टेबल भर्ती की अधिसूचना जारी हो सकती है। उम्मीदवारों को आज से ही लिखित परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, ताकि एग्जाम में शानदार प्रदर्शन कर पुलिस कांस्टेबल बन एक अच्छी सरकारी नौकरी का सपना पूरा कर सकें।

इसके लिए अभ्यर्थी Safalta.com द्वारा शुरू किये जा रहे खास यूपी पुलिस कांस्टेबल बैच को ज्वाइन कर अपनी तैयारी को मजबूत बना सकते हैं। कांस्टेबल पदों पर चयनित उम्मीदवार, कार्यशैली व क्षमता के आधार पर पदोन्नत भी होते हैं। पदोन्नति के आधार पर कैंडिडेट सब-इंस्पेक्टर के पद पर पहुंच सकते हैं, जिसमें आकर्षक वेतन के साथ अन्य भत्ते व सुविधाओं का लाभ मिलता है।

मासिक वेतन व अन्य भत्ते

कांस्टेबल पद पर चयनित अभ्यर्थी को लगभग 30,000 से 40,000 रुपये प्रतिमाह का वेतन प्राप्त होता है। जिसमें 7वें पे-कमीशन के अनुसार अन्य भत्ते जैसे यात्रा किराया-भत्ता, मकान किराया भत्ता, मेडिकल सुविधा आदि जैसी सुविधाएं शामिल हैं। जो इसे एक बेहद आकर्षक सरकारी नौकरी बनाते हैं।

योग्यता

- **आयु:** पुरुष- 18 वर्ष से 23 वर्ष, महिला- 18 वर्ष से 26 वर्ष।
- मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा पास।
- नियमानुसार छूट का भी प्रावधान है।

कैसे करें तैयारी

परीक्षा में लाखों परीक्षार्थी हिस्सा लेते हैं, इसलिए कम्पटीशन भी [illegible] है। ऐसे में एक्सपर्ट्स के मार्गदर्शन में की गई पढ़ाई अच्छे परिणाम दिलाती है। इसी बात का ध्यान रखते हुए Safalta.com ने 60 दिनों का खास "UP Police Constable Foundation" लाइव कोर्स लॉन्च किया है, जो 16 दिसंबर से शुरू होगा।

क्यों खास है यह कोर्स

कोर्स में आपको अनुभवी व एक्सपर्ट टीचर्स की पूरी टीम द्वारा 180 घंटे से ज्यादा की लाइव क्लासेस मिलेंगी। आप क्लास में टीचर्स से बात व अपने डाउट्स पूछ पाएंगे। इस कोर्स में मैथ्स, हिंदी, सामान्य ज्ञान व रीजनिंग विषय की क्लासेस रोज 3 से 4 घंटे चलेंगी। पीडीएफ स्टडी मैटेरियल व क्लासरूम नोट्स दिए जाएंगे। तैयारी को और भी पक्का करने के लिए रेगुलर प्रैक्टिस सेशन व डाउट सेशन होंगे। 5000 प्रश्नों का एक्सेस भी मिलेगा। स्पीड और एक्यूरेसी के लिए आपको अधिक-से-अधिक मॉक टेस्ट भी कराए जाएंगे।

परीक्षा में आने वाले विषय

परीक्षा में सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान, संख्यात्मक योग्यता, मानसिक अभिरुचि/आई-क्यू/तार्किक योग्यता से कुल 150 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाते हैं। एग्जाम 300 अंकों का होता है। प्रत्येक सवाल का सही उत्तर देने पर 2 अंक मिलते हैं, गलत जवाब देने पर एक-चौथाई अंक काटते हैं।

पदोन्नति से बन सकते हैं एसआई

चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित समयसीमा के बाद हेड-कांस्टेबल पद पर पदोन्नत किया जाता है। इसके लिए उम्मीदवारों की कार्यशैली, क्षमता आदि को देखा जाता है। इसमें शारीरिक दक्षता, कार्यक्षमता, अनुभव आदि अन्य अनिवार्य मानक दंडों को पूरा करना होता है। पदोन्नति के आधार पर उम्मीदवार दारोगा भी बन सकते हैं। जिसमें लगभग 80,000 रुपये मासिक वेतन व अन्य सुविधाएं दी जाती हैं।

कम फीस, लाइफटाइम वैलिडिटी का लाभ

आज 16 दिसंबर को आप मात्र 999 रुपये में इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। फीस में मात्र 100 सीटें ही उपलब्ध हैं। 17 दिसंबर को फीस 1399 रुपये हो जाएगी। खास बात ये है कि इसी फीस में आपको इस कोर्स की लाइफटाइम वैलिडिटी भी मिल रही है।

तो फिर देर किस बात की, आज ही लें UP Police Constable Foundation Batch लाइव कोर्स में एडमिशन और पूरा करें अपना पुलिस की नौकरी पाने का सपना। कोर्स की अधिक जानकारी व एडमिशन के लिए विजिट करें-

Safalta.com/up-police-constable अथवा क्यूआर कोड को करें स्कैन।

A Media Solutions Initiative

सीबीएसई : सामान्य रहा कक्षा 12वीं का इकनॉमिक्स का पेपर

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से बुधवार को 12वीं कक्षा का इकनॉमिक्स का पेपर सामान्य रहा। जिससे छात्रों को सवालों को हल करने में आसानी रही। केस स्टडी के कुछ सवालों को हल करने में समय अधिक लगा। अब अगला पेपर वीरवार को हिंदी विषय का होगा।

नई दिल्ली इलाके में छात्रों ने कहा कि पेपर में दिनांक व आर्थिक कार्यक्रमों को लेकर एक भी सवाल नहीं पूछा गया। हालांकि, ऐसे सवालों की तैयारी की थी। वहीं, केस स्टडी के सवालों ने समय की अधिक खपत की। छात्रों का कहना था कि पेपर को एनसीईआरटी से बनाया गया था। जिन्होंने सैंपल पेपर से अधिक अभ्यास किया था, उन्हें अधिक फायदा नहीं हुआ।

छात्र हिमांशु सिंह ने कहा कि उन्होंने पेपर के लिए एनसीईआरटी के साथ-साथ अन्य किताबों से भी प्रश्नों का अभ्यास किया था। इसलिए पेपर करने में अधिक परेशानी नहीं हुई। कुछ प्रश्नों का स्तर थोड़ा मुश्किल था, लेकिन जिन बच्चों ने ठीक से अभ्यास किया होगा, उनके लिए पेपर आसान था। दिव्यांशु गुप्ता ने कहा कि उन्होंने पेपर के लिए सैंपल पेपर व एनसीईआरटी से अभ्यास किया था, लेकिन सिर्फ एनसीईआरटी से सवाल पूछे गए थे। पेपर में सवालों का स्तर सामान्य रहा। हालांकि, कुछ सवालों को लंबा बनाया गया था। ऐसे में इस तरह के सवालों में अधिक समय लग गया। बाकी

Chaudhary Devi Lal University, Sirsa
Organization
Of
"पुलिस की पाठशाला"
In collaboration with
Amar Ujala Foundation
On
December 15th, 2021
(11:00 A.M)
At
Seminar Hall, C.V. Raman Bhawan, CDLU, Sirsa
Organized by: Programme Coordinator, N.S.S., CDLU, Sirsa
GPS Map Camera
Sirsa, Haryana, India
G2WV+JHR, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa, Haryana 125055, India
Lat 29.54678°
Long 75.044231°
15/12/21 11:36 AM
CDLU Rd
Google

GPS Map Camera
CDLU Rd
Google
Sirsa, Haryana, India
G2WV+JHR, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa, Haryana 125055, India
Lat 29.54678°
Long 75.044231°
15/12/21 11:35 AM